तेंदुआ खाल तस्करी कांड : जांच में मिले अहम सुराग

मामले में गिरफ्तार 3 आरोपियों से रिमांड में पूंछताछ के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर बलिया और नागपुर तक खंगाला जायेगा नेटवर्क

नवभारत न्यूज

सीधी 8 सितंब, तेंदुआ खाल तस्करी कांड की जांच में अहम सुराग मिले हैं। मामले में गिरफ्तार 3 आरोपियों से रिमांड में पूंछताछ के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर बलिया और नागपुर तक नेटवर्क खंगाला जायेगा।

तेंदुए के खाल की तस्करी और शिकार के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों से रिमांड के दौरान स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स एवं वन विभाग की टीम द्वारा अलग-

अलग पूंछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में जांच टीम के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। अब टीम शिकार से लेकर खाल की खरीद-फरोख्त और संभावित आपूर्ति नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच में फिलहाल टीम का अगला लक्ष्य बलिया निवासी सुंदरम और नागपुर निवासी अंजलि नागपाल तक पहुंचना बताया जा रहा है। पूंछताछ में सामने आए नामों और जानकारियों के आधार पर जांच टीम इन दोनों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है। हालांकि मामले में उनकी भूमिका की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बता दें कि 5 सितंबर 2026 को राजस्व आसूचना निदेशालय इकाई भोपाल द्वारा सीधी शहर में कार्रवाई करते हुए थार वाहन में तेंदुए की खाल के साथ दो व्यक्तियों को पकड़ा गया था। पूंछताछ के दौरान आरोपितों ने खाल से जुड़े शिकार के संबंध में ग्राम धनुहीनार, पोस्ट बीरादेही, तहसील हनुमना, जिला मऊगंज का उल्लेख किया। इसके बाद हनुमना परिक्षेत्र की वन विभाग की टीम ने संबंधित क्षेत्र में दबिश देकर तीसरे आरोपित लल्ला बैगा को गिरफ्तार किया। उसके पास से कथित शिकार में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार, खूंटी, तार और चाकू बरामद किए जाने की जानकारी है। मामले में गिरफ्तार अनमोल सिंह चंदेल निवासी बीरादेही, अभिषेक उर्फ प्रिंस सिंह चंदेल निवासी दुधमनिया और लल्ला बैगा निवासी जड़कुड़ को 6 सितंबर 2026 को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय से तीनों को दो दिन की हिरासत में लिया गया है। रिमांड के दौरान जांच एजेंसियां आरोपियों से तस्करी के नेटवर्क, शिकार के स्थान, खाल की खरीद-फरोख्त और संभावित खरीदारों के संबंध में पूंछताछ कर रही हैं।

इनका कहना है

मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। जांच आगे बढ़ने के साथ यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि तेंदुए का शिकार कहां किया गया, खाल सीधी तक कैसे पहुंची और इसके पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय हैं।

राजेश कन्ना टी, डीएफओ संजय टाइगर रिजर्व सीधी

आगरा में पकड़ी गई शिकारी टोली से जुड़ रहे तार

वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे के अनुसार इस मामले के तार 23 जुलाई को आगरा में पकड़ी गई शिकारी टोली से भी जुड़े हो सकते हैं। उक्त टोली द्वारा शिवपुरी-श्योपुर क्षेत्र में शिकार किए जाने की बात सामने आने का दावा किया गया है। अब जांच का दायरा तमिलनाडु तक पहुंचने की जानकारी भी सामने आ रही है। मामले में सामने आ रहे नए तथ्यों के बाद वन विभाग और स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बारिश से क्षतिग्रस्त मकानों का जल्द सर्वे कर प्रकरण भेजें : दिलीप जैन

नवभारत, न्यूज

कुसमी 8 सितंबर। बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकानों का जल्द से जल्द सर्वे कर आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रकरण तहसील कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश एसडीएम सागर दिलीप जैन ने दिए हैं।

मंगलवार को कुसमी मंगल भवन में आयोजित हल्का पटवारियों की बैठक में एसडीएम सागर दिलीप जैन एवं तहसीलदार नारायण सिंह ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम ने कहा कि लगातार बारिश के कारण जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका पटवारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर शीघ्र सर्वे किया जाए। सर्वे के बाद आवश्यक दस्तावेज तैयार कर प्रकरण तहसील कार्यालय में भेजे जाएं, ताकि पात्र प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही फार्मर आईडी बनाने से संबंधित सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम ने सभी पटवारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें और शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में राजस्व से संबंधित विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। एसडीएम एवं तहसीलदार ने पटवारियों को अपने-अपने हल्के में राजस्व संबंधी कार्यों को गंभीरता से पूरा करने तथा आमजन की समस्याओं का नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में सुनी आमजन की समस्याएं

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

जनसुनवाई में भूमि एवं संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद, महिला संबंधी शिकायतें, साइबर अपराध, मारपीट, धोखाधड़ी सहित विभिन्न मामलों के आवेदन प्राप्त हुए। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी लेते हुए प्रत्येक मामले में तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने पूर्व से लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों में अनावश्यक विलंब न हो तथा फरियादियों को कार्रवाई की स्थिति से अवगत कराया जाए। जनसुनवाई में महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं कमजोर वर्गों से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ ऐसे प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं को सीधे सुनने और उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निराकरण कराना सीधी पुलिस की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक फरियादी को उचित मार्गदर्शन मिले और पुलिस के प्रति उसका विश्वास और मजबूत हो। जनसुनवाई के दौरान संबंधित थाना प्रभारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के अन्य राजपत्रित अधिकारीए थाना एवं चौकी प्रभारी आवश्यकतानुसार वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और अपने क्षेत्र की शिकायतों के संबंध में निर्देश प्राप्त किए।

पंचायत उप निर्वाचन नामांकन पत्र लेने का काम शुरू, 29 को मतदान

सीधी 8 सितंबर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सीधी जिले रामपुर नैकिन जनपद हेतु रिटर्निंग ऑफिसर आशीष मिश्रा, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एके द्विवेदी द्वारा पंचायत उप निर्वाचन की प्रक्रिया 8 सितंबर 2026 से प्रारंभ की गई। जिले में दो जनपद पंचायतों के दो जनपद सदस्य पद, दो ग्राम पंचायतों के 2 पंच पदों पर उप निर्वाचन कराया जाएगा। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर ने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना जारी हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 8 सितंबर से 15 सितंबर 2026 तक तहसील रामपुर नैकिन को रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय बनाया गया है। प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक अभ्यर्थी अपना नामांकन पत्र जमा कर सकेंगे।

राष्ट्रपति एवं राज्यपाल से सम्मानित शिक्षकों का सम्मान

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। बैंक आफ इंडिया शाखा सीधी ने बैंक के 121वां दिवस हर्षोल्लास के साथ शिक्षकों, कर्मचारियो, अधिकारियों व गणमान्य नागरिकों का सम्मान करके मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ एडवोकेट एलपी द्विवेदी पूर्व जिलाध्यक्ष अधिवक्ता संघ सीधी, अध्यक्षता विजय सिंह परिहार पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मप्र शिक्षक संघ विशिष्ट अतिथि, विनय मिश्र बैंक शाखा के संरक्षक, इन्द्रसेन त्रिपाठी सेवानिवृत्त बीईओ, राष्ट्रपति से सम्मानित शैलेन्द्र सिंह बालेन्दु, राज्यपाल से सम्मानित शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, राकेश द्विवेदी, वरिष्ठ

सेवानिवृत्त शिक्षक शास्त्री प्रसाद मिश्र, पदुमनाथ द्विवेदी, रामकृष्ण तिवारी, रामजी शुक्ला सचिव, सुरेन्द्र तिवारी जिला कोषाध्यक्ष मप्र शि.सं. सोनवर्षा संकुल प्राचार्य, जनशिक्षक खैरा, सोनवर्षा प्रभारी प्रधानाध्यापक महुगढ़, सजहां, कुड़ैनिया शिक्षक गिरजेश सिंह, मुकेश सेन शिक्षिका बबिता माझी, सुश्री आकांक्षा तिवारी पशु चिकित्सक सुश्री श्रेया सिंह, युवा साहित्यकार रोहित पाण्डेय पूर्व सरपंच, जगबंदन सिंह आदि बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थित में तथा शाखा प्रबंधक कुलदीप राय व बैकीय परिवार के आयोजकत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां वीणापाणि सरस्वती जी को दीप प्रज्वलित कर व पुष्पमाला अर्पित कर अतिथियों को स्मृति चिन्ह/शाल श्रीफल, डायरी देकर सम्मान किया गया। स्वागत भाषण में शाखा प्रबंधक ने सभी का स्वागत करते हुए अपने बैंक के 120 साल के सफर पर प्रकाश डालते हुए सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्ति किए। ग्राहक परिवार की ओर से सतीश पाण्डेय शिक्षक कुड़ैनिया ने सभी का स्वागत करते हुए बैंक आफ इंडिया के कार्य व्यवहारो की सराहना करते हुए अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां होम लोन होम लोन व टाप अप सबसे सस्ता, किसान क्रेडिट कार्ड में भूमि का अधिकतम रेशियों पर व अन्य लोन बड़े ही सरल व सहज ढंग से यहां प्रदान किया जाता है। साथ ही कर्मचारी के शैलरी एकाउंट पर मुफ्त में 50 लाख का होता है। अतः यहां जुड़ने से अच्छी सेवा व अन्य लाभ है। सभा का समापन सहायक प्रबंधक अभय गुप्ता द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री आकांक्षा तिवारी ने किया।

जर्जर आंगनबाड़ी व स्कूल भवनों का निरीक्षण

नवभारत, न्यूज

कुसमी 8 सितंबर। कोंटमा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथॉमिक शाला भवन की जर्जर हालत का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान भवनों की खराब स्थिति सामने आईए जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द भवनों की मरम्मत अथवा नवीन भवन निर्माण की मांग की है। इसी तरह नौडिया देवार्थ गांव में भी आंगनबाड़ी भवन और प्राथमिक शाला भवन की स्थिति जर्जर पाई गई। निरीक्षण के दौरान

भवनों की स्थिति को देखते हुए बच्चों के लिए सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान विमल जायसवाल, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुसमी, मंडल अध्यक्ष कुसमी नंदलाल सिंह, हीरालाल विश्वकर्मा, इंद्रभान सिंह रोहल एवं चंद्रभान सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासन से दोनों गांवों के जर्जर भवनों का शीघ्र संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।

प्रभु तक पहुंचने निष्काम भक्ति जरूरी : बांके बिहारी

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। पूजा पार्क गयात्री मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का सोमवार को सातवां दिन था। इस दौरान पूरा पूजा पार्क भक्ति में डूबा रहा।

कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शाम 4:30 बजे कथावाचक पंडित बांके बिहारी शास्त्री महाराज ने सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित और गोलोक गमन जैसे प्रसंगों का वर्णन किया। उन्होंने सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की दोस्ती का प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। शास्त्री जी ने कि सुदामा चरित्र सच्ची दोस्ती और निष्काम

भक्ति का महत्व सिखाता है। भगवान अपने भक्तों की भावना देखते हैं, न कि उनका बाहरी दिखावा। उन्होंने राजा परीक्षित की कथा सुनाते हुए जीवन की नश्वरता और मृत्यु के अटल सत्य पर बात की। गोलोक धाम को आनंद, प्रेम और शांति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यहां सिर्फ निष्काम भक्ति से ही पहुंचा जा सकता है। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने भजनों और कीर्तन में हिस्सा लिया। जय श्री राधे जय श्री कृष्णा के जयघोष से पूरा कथा स्थल गूंज उठा। भागवत कथा के आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक महत्व पर भी जोर दिया।

कलेक्टर ने चुरहट में रेलवे भू-अर्जन की समीक्षा की

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। कलेक्टर विकास मिश्रा ने चुरहट में रेलवे परियोजना के लिए किए जा रहे भू-अर्जन कार्य तथा भूमि स्वामियों को अवार्ड राशि के भुगतान की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में उपखंड अधिकारी चुरहट अजय शर्मा सहित रेलवे एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान बताया गया कि 157 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण अवार्ड राशि का भुगतान नहीं

किया जा सका है। इनमें झांझ के 32, रायखोर के 10 तथा आमडांड-43 के 53 भूमि स्वामी शामिल हैं, जिनके बैंक खातों की जानकारी अभी अप्राप्त है। कलेक्टर ने इस स्थिति पर गंभीरता से कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि स्वामियों से तत्काल संपर्क कर उनके बैंक खातों की जानकारी प्राप्त करें तथा भुगतान की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब न होने दें। उन्होंने कहा कि जिन भूमि स्वामियों के खाते संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं है, उन्हें आवश्यक प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी देते हुए शीघ्र बैंक विवरण उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने भूमि स्वामियों से भी अपील की है कि वे अपने बैंक खाते की सही एवं आवश्यक जानकारी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि उनकी अवार्ड राशि का भुगतान बिना किसी अतिरिक्त विलंब के किया जा सके। समीक्षा के दौरान बताया गया कि टीकटकला, नकबेल, बड़खरा 739 और बड़खरा 735 के शेष 62 भूमि स्वामियों के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त हो चुकी है।

कलेक्टर की जनसुनवाई में 275 आवेदकों की सुनी गईं समस्याएं

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर 275 आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों

का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन का निराकरण संभव नहीं है अथवा आवेदन निरस्त किया जाता है, तो उसके स्पष्ट कारण आवेदक को बताए जाएं। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहेगी और आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को विभिन्न आवश्यक सेवाएं भी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा प्रदान की गई। इसके साथ ही आधार अपडेट की सुविधा भी उपलब्ध रही। इससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उन्हें एक ही परिसर में विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद आईएएस ने भी जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शुरू

विद्यार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की अभिनव पहल

▶ जिस कार्य को करें, पूरे मन से करें : आकाश अग्रवाल

नवभारत, न्यूज

मझौली 8 सितंबर। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मझौली में सिलाई एवं कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

प्रशिक्षण विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल से जोड़कर रोजगार और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने की पहल है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आकाश अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मझौली ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। कार्य को बड़ा बनाती है उसके प्रति हमारी निष्ठा, समर्पण और सकारात्मक सोच। उन्होंने विद्यार्थियों से

सीखे जा रहे कौशल को पूरे मनोयोग से आत्मसात करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि चंद्रकांत सिंह बघेल, प्रबंधक, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मझौली ने कहा कि सिलाई, कढ़ाई और डिजाइन जैसे कौशल विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर काम के अवसर उपलब्ध करा सकते हैं।

प्रशिक्षण के जरिए विद्यार्थी अपने हुनर को आय के साधन और आगे चलकर स्वरोजगार का आधार बना सकते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने पढ़ाई के साथ हुनर को आत्मनिर्भरता की आधारशिला बताया। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने कहा कि प्रयास है कि विद्यार्थी केवल नौकरी तलाशने वाले न बनें, बल्कि अपने कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता विकसित करें। प्रशिक्षक सुयांका त्रिपाठी एवं उर्मिला सिंह ने प्रशिक्षण में सराहनीय योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रो. रागिनी तिवारी, मृदुल बंसल, कलकल गौर, राज किशोर तिवारी, डॉ. सुरेश तिवारी, डॉ. रेनू सिंह, डॉ. सुषमा शुक्ला, डॉ. असलेंद्र जायसवाल, पंकज सिंघल, संदीप कुमार कोल, मनीष कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने किया। अंत में डॉ. भावना नागेंद्र ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जैविक संसाधन केंद्र से किसानों को मिला सहज समाधान

जैविक खाद एवं कीटनाशकों की स्थानीय उपलब्धता से 250 किसान लाभान्वित

नवभारत, न्यूज

सीधी 8 सितंबर। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सीधी अंतर्गत विकासखंड मझौली के एकीकृत कृषि संकुल क्रमांक-1, छूही में स्थापित संकुल स्तरीय संगठन गुलाब सागर के अंतर्गत आईएफएससी जैविक संसाधन केंद्र की स्थापना वर्ष 2025 में की गई।

केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को स्थानीय स्तर पर जैविक कृषि के लिए आवश्यक

संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जैविक खेती की तकनीकों से प्रशिक्षित करना है। जैविक संसाधन केंद्र में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र सहित विभिन्न जैविक कीटनाशक, केंचुआ खाद (वर्मी कम्पोस्ट) तथा जैविक संसाधनों से संबंधित अन्य उत्पाद तैयार कर विक्रय किए जाते हैं। केंद्र के माध्यम से अब तक आसपास के लगभग 250 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है। इनमें से 90 किसानों ने केंद्र पर जैविक खेती से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षित किसानों द्वारा अपनी लगभग आधा-आधा एकड़ भूमि में जैविक खेती को अपनाया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में किसान फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने के साथ कीट नियंत्रण के लिए अग्निस्त्र एवं ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक कीटनाशकों का उपयोग कर रहे हैं। जैविक संसाधन केंद्र की स्थापना से किसानों की एक बड़ी समस्या का समाधान हुआ है। पहले किसानों को जैविक कीटनाशक स्वयं तैयार करने पड़ते थे, जिसके लिए समय और संसाधन की आवश्यकता होती थी। अब केंद्र पर जैविक कीटनाशक एवं खाद उपलब्ध होने से किसान इन्हें आसानी से स्थानीय स्तर पर खरीदकर उपयोग कर पा रहे हैं। केंद्र किसानों के लिए केवल बिक्री केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि सेवा प्रदाता के रूप में भी कार्य कर रहा है। केंद्र का संचालन प्रेमवती सिंह के सहयोग से किया जा रहा है।

64 हजार रुपये की जैविक उत्पादों की बिक्री

जैविक संसाधन केंद्र की गतिविधियों से किसानों को लाभ मिलने के साथ केंद्र भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष में अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र सहित अन्य जैविक कीटनाशक एवं वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री से लगभग 64 हजार रुपये का व्यवसाय किया गया है। इससे जैविक संसाधन केंद्र एक आत्मनिर्भर एवं सेवा आधारित संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है।

कृषि एवं पशुपालन संबंधी जानकारी भी उपलब्ध

किसानों को खेती एवं पशुपालन से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जैविक संसाधन केंद्र पर नियमित गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक माह के तीसरे एवं चौथे बुधवार को कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाता है। वहीं दूसरे एवं चौथे मंगलवार को पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पशुओं के टीकाकरण सहित पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हैं।